ईश्वरीय
खजाना
टीम
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

## तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

# अमृतवेला

बाप को तो बच्चों पर नाज़ है। इतने योग्य बच्चे और योगी बच्चे किसी बाप के हो ही नहीं सकते। योग्य भी हो, योगी भी हो और एक-एक पदमापदम भाग्यवान हो। सारे कल्प में इतने और ऐसे बच्चे हो ही नहीं सकते। **इसलिए विशेष अमृतवेले का टाइम बापदादा ने क्यों रखा है – ब्राह्मण बच्चों के लिए। क्योंकि विशेष बापदादा हर बच्चे की विशेषता को, सेवा को, गुण को सदा सामने लाते हैं।** और क्या करते हैं? जो हर बच्चे की विशेषता है, गुण है, सेवा है, उसको विशेष वरदान से अविनाशी बनाते हैं। इसलिए खास यह समय बच्चों का रखा है। **अमृतवेले की विशेष पालना है। जैसे माँ बाप बच्चों को सवेरे तैयार करते साफ सुथरा करके फिर कहते अब सारा दिन खाओ पियो पढ़ो। बापदादा भी अमृतवेले यह पालना देते अर्थात् सारे दिन के लिए शक्ति भर देते हैं। विशेष पालना का यह समय है। यह एक्स्ट्रा वरदान की पालना का समय है। अमृतवेले वरदानों की झोली खुलती है।** जितना जो वरदान लेने चाहे सच्ची दिल से, मतलब से नहीं। लेकिन सदा ही वरदानों से पलते रहो, चलते रहो, उड़ते रहो उसके लिए **जितना अमृतवेला शक्तिशाली बनायेंगे उतना सारा दिन सहज होगा।**

# AMRITVELA

The father is proud of his children. No father can have such capable children and yogi children. be eligible also ,You should also be a yogi and be fortunate at every step. There cannot be so many such children in the entire Kalpa. **That is why BapDada has kept the special time of Amrit Vela – for the Brahmin children. Because especially BapDada always keeps in front the speciality , service and virtue of every child .** What else do they do ? The speciality , quality and service of every child is made imperishable with a special blessing.**There is a special sustenance of Amritvela. Like parents would prepare their children in the morning, clean them and then say, now eat, drink and study all day long. BapDada also gives this sustenance at Amrit vela, that is, it fills you with power for the whole day. This is the time for special observance. This is the time to cherish the extra boon. The bag of blessings opens at Amrit vela.** Whatever boon one wants to take , one can take it with true heart and not by means. When there is a meaning then they will say , 'Give me this'. What does BapDada do when someone asks out of meaning? It gives that much power to prove its meaning , meaning it is complete and finished. Still there are children , neither will they. But always keep thriving on blessings , keep moving forward , **To keep flying, the more powerful you make the Amrit vela, the more easy the whole day will be.**

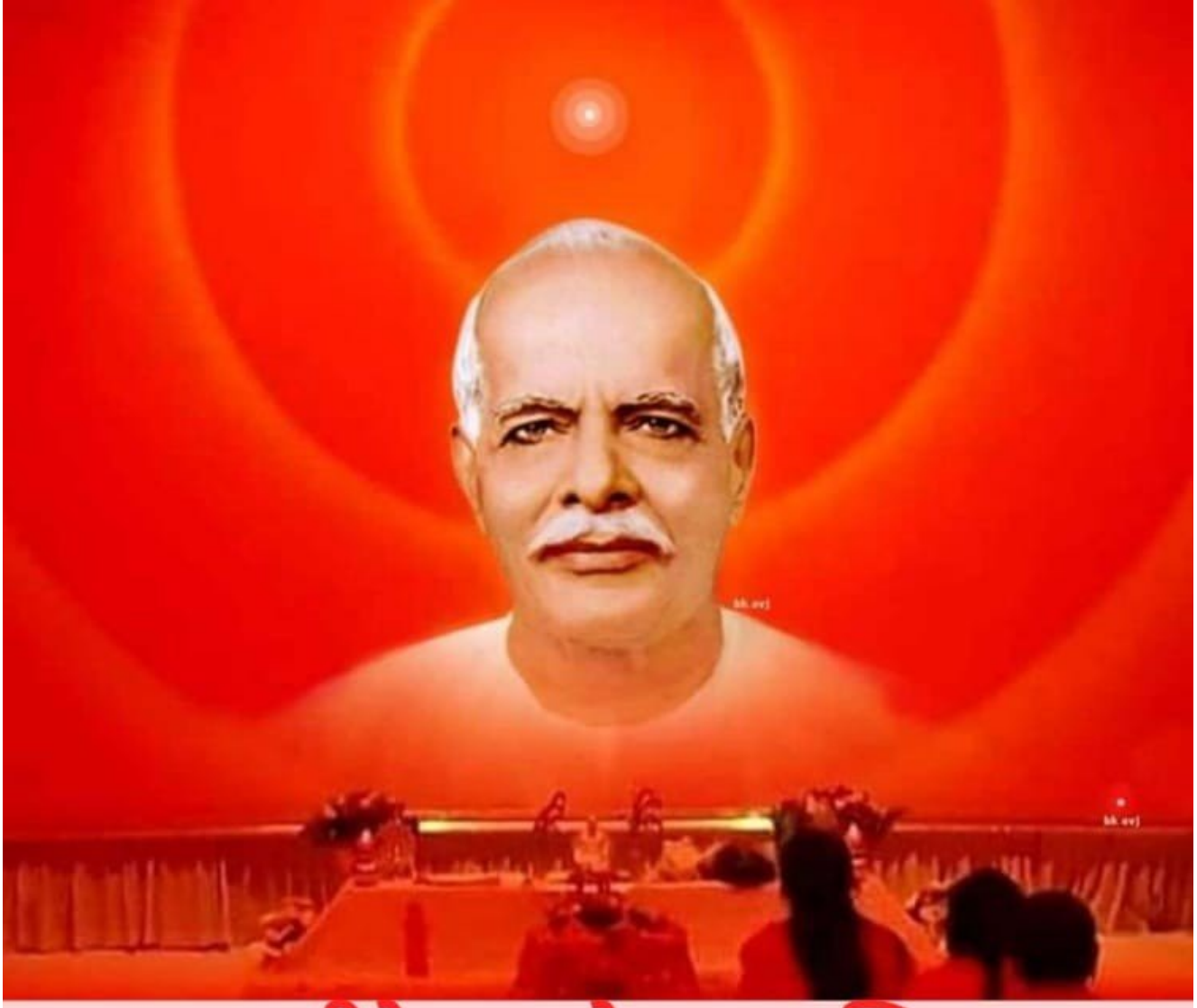

मीठे बच्चे – बुद्धि को यहाँ-वहाँ भटकाने के बजाए घर में बाप को याद करो, दूर-दूर तक बुद्धि को ले जाओ – इसे ही याद की यात्रा कहा जाता है

# बच्चों के दिलका सच्चा हर्ष

*बापदादा- 23.10.1999*

आज सर्व श्रेष्ठ भाग्य विधाता, सर्व शक्तियों के दाता बापदादा चारों ओर के सर्व बच्चों को देख हर्षित हो रहे हैं। चाहे मधुबन में सम्मुख में हैं, चाहे देश विदेश में याद में सुन रहे हैं, देख रहे हैं, जहाँ भी बैठे हैं लेकिन दिल से सम्मुख हैं। उन सब बच्चों को देख बापदादा हर्षित हो रहे हैं। आप सभी भी हर्षित हो रहे हो ना! बच्चे भी हर्षित और बापदादा भी हर्षित। और यही दिल का सदा का सच्चा हर्ष सारी दुनिया के दुःखों को दूर करने वाला है। यह दिल का हर्ष आत्माओं को बाप का अनुभव कराने वाला है क्योंकि बाप भी सदा सर्व आत्माओं के प्रति सेवाधारी है और आप सब बच्चे बाप के साथ सेवा साथी हैं। साथी हैं ना! बाप के साथी और विश्व के दुःखों को परिवर्तन कर सदा खुश रहने का साधन देने की सेवा में सदा उपस्थित रहते हो। सदा सेवाधारी हो। सेवा सिर्फ चार घण्टा, छः घण्टा करने वाले नहीं हो। हर सेकण्ड सेवा की स्टेज पर पार्ट बजाने वाले परमात्म-साथी हो।

देह सहित सब सम्बन्धों को भूलते भूलते, एक परमात्मा शिव को याद करने की इतनी प्रैक्टिस करनी है, जो अन्त में न यह शरीर याद आये, न कोई और।

स्लोगन:-बापदादा के दिल की मुबारक लेनी है तो अनेक बातों को न देख अथक सेवा पर उपस्थित रहो

BK Shivani

**YOU are what YOU EAT.**

What we eat is not only Nutrients, it is -
Sanskars and Intentions of the one cooking,
Vibrations of the Place where it is cooked.
We absorb fear, anger or worry of people,
Through the food they cook for us.

To be Emotionally Healthy, eat food
cooked by a Peaceful Mind.

**जैसा अन्न, वैसा मन**

BKShivani

If you want to change your behaviour, focus on the thinking which causes it.

Thoughts are like seeds.

Your attitudes grow from them and in turn, your actions.

Dadi Janki

www.dadijanki.org

## Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org